LOK SABHA

Monday, July 11, 1977/*Asadha* 20, 1899 (*Saka*)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

MEMBER SWORN

SHRI NIRANJAN PRASAD KESHARWANI (Bilaspur)

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

राजस्थान के रेगिस्तान की रोकथाम के लिए विदेशी सहायता

405. **श्री लालजी भाई** : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान में बढ़ते हुए रेगिस्तान की रोकथाम संबंधी योजना को क्रियान्वित करने के लिए राष्ट्र संघ से या अन्य देशों से कोई सहायता उपलब्ध कराई गई है ; और

(ख) यदि हां, तो इस बारे में तथ्य क्या है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

श्री लालजी भाई : अध्यक्ष जी, राजस्थान में बढ़ते हुए रेगिस्तान को रोकने के लिए क्या सरकार ने कोई योजना बनाई है ? मैं नहीं कहता कि इस के लिए कोई विदेशी सहायता ली जाये न ली जाय, लेकिन क्या सरकार इस रेगिस्तान को रोकने के लिए कोई योजना बनाने जा रही है ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : इसमें कई योजनाए हैं । एक तो राजस्थान के 9 जिलों में ड्राट प्रोन प्रोग्राम चलाया जा रहा है । उसमें 17 लाख रुपया चौथी योजना में खर्च किया गया फिर 14 करोड़, 47 लाख रूपये खर्च किये गये, 39 करोड़, 90 लाख रुपये और खर्च किये जाने की आशा है ।

श्री लालजी भाई : उपाध्यक्ष जी, यह जानकारी दी गई कि तनी इतनी राशि योजनाओं पर खर्च की जा रही है । मैं जानना चाहता हूं कि सरकार राष्ट्र संघ या विदेशी एजेंसियों से भी कोई सहायता मांगेगी इस कांम के लिए ? यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : सवाल यह किया गया था —

> "seeking to control the march of desert of Rajasthan, which contemplates march of the desert in adjoining areas or adjoining States".

इसका मैंने जवाब दिया है । राजस्थान के रेगिस्तान को ठीक करने के लिए, जमीन को काश्तकारी के लायक बनाने के लिए बहुत सी स्कीमें चल रही हैं । इनमें से कुछ स्कीमें हिन्दुस्तान की सरकार और सूबे की सरकार दोनों मिल कर चला रही हैं और कुछ के लिए आई०डी०ए० से मदद ली जा रही है। इन स्कीमों में से एक केनाल

कमाण्ड एरिया डवलपमेंट प्रोजक्ट है जिसके लिए आई० डी० ए० की ओर से 83 मीलियन डालर खर्च किया जा रहा है।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मैं जानना चाहता हूं कि सुरक्षा मंत्रालय ने जोधपुर में जो एरिड जोन डवलपमेंट स्कीम चला रखी है, और जो स्कीमें आपने चला रखी हैं जिससे डेजर्टको रोका जा सके, क्या इन स्कीमों में कोई तालमेल है या नहीं है ? जोधपुर डिविजन में बबूल उगाने की एक स्कीम चलाई गई थी जो कि महाराजा के समय से चलाई गई थी, क्या इस प्रकार का कोई विशेष कार्यक्रम सरकार के पास है ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : इसके लिए मुझे नोटिस देना पड़ेगा ताकि मैं इसकी जानकारी ले सकूं।

श्री ओम प्रकाश त्यागी : संसार में एक ही देश ऐसा है जिस ने अपने यहां रेगिस्तान की समस्या का समाधान कर लिया है और वह है इज़राइल। हमारे संबंध उसके साथ सीधे तो नहीं है परन्तु क्या संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा उससे इसके बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए चेष्टा की गई है, जिस तरह से उसने रेगिस्तान पर काबू पाया है और अपनी भूमि को उपजाऊ बनाया है इसका ज्ञान प्राप्त करने की सीधे या यू एन ओ के द्वारा प्रयास किया गया है, यदि नहीं तो क्यों नहीं ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : जैसे ताल्लुकात उनके हमारे साथ हैं उनको देखते हुए सीधा तो प्रयास नहीं हो सका है लेकिन जो ज्ञान कहीं भी होता है, किसी देश में भी होता है वह दूसरे देशों के पास आता है। जो हमारे पास आ रहा है खास कर डेजर्ट एरिया को ठीक करनें के लिए उससे फायदा उठाने की कोशिश की जा रही है।

श्री ओम प्रकाश त्यागी : किस देश के द्वारा आ रहा है ?

श्री चतुर्भुज : रेगिस्तान को रोकने के लिए आपने करोड़ों अरबों खर्च किया है। मैं जानना चाहता हूं कि इस खर्च से आप कितने क्षेत्र को डैजर्ट बनने से रोक सके हैं ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : बहुत से हिस्सों में काम हुआ है। नहरों के एरिया में काम हो रहा है, एफारिस्टेशन का काम हो रहा है, केचमेंट एरिया का काम हो रहा है, बहुत से जंगल नए लगाए गए हैं। इनसे पहले से डेजर्ट रोकने में मदद मिली है।

चौधरी बलबीर सिंह : सरकार की अपनी रिपोर्ट क्या है ? जहां रूका है उससे ज्यादा एरिया में बढ़ रहा है या कम में ? क्या आप कोशिश करेंगे इसको रोकने की और क्या इज़राइल ने जैसे मेरे एक साथी ने कहा है भारत सरकार को इस काम में मदद देने की आफर दी थी ? क्या सरकार ने उससे मदद लेने की कोशिश की थी ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : जैसे मैंने बताया है कि डेजर्ट बढ़ने के बजाय उसको ठीक करने का ज्यादा प्रयास किया जा रहा है, उसी की ज्यादा कोशिश हो रही है। जहां तक इज़राइल द्वारा आफर देने का सवाल है वह जानकारी इस वक्त मेरे पास नहीं है।

श्री विनायक प्रसाद यादव : जो कल्टीवेबल लैंड है और जिस पर अभी खेती नहीं की जा रही है उस पर खेती करने के लिए सरकार के पास कोई विशेष योजना है ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : जिन स्कीम्ज़ का जिक्र किया है वे उसके नीचे हैं, ड्राउट प्रोन एरियाज़ हैं, केनाल कमांड एरिया डिवैलेपमेंट प्राजैक्ट्स हैं, डेजर्ट प्राजैक्ट है। ये उसी के लिये बनाई गई है।